

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तरांचल,
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-01.

देहरादून, 30 अगस्त 2006.

विषय : अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों हेतु राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, बेतालघाट, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल की स्थापना की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-1338/स.क./एस.एन.डी-ए.टी.एस.बेतालघाट/2005-06, दिनांक 12 जुलाई 2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महामहिम श्री राज्यपाल महोदय अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों हेतु बेतालघाट, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल में 150 छात्र क्षमता के एक उच्चतर माध्यमिक स्तर के राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय की स्थापना एवं सुचारु रूप से संचालित किए जाने हेतु निम्नविवरणानुसार अस्थाई पदों को उनके सम्मुख अंकित वेतनमानों में पदों के सृजन आदेश निर्गत होने की तिथि अथवा पदों को भरे जाने की तिथि, जो भी पूर्व में हो, बशर्त कि ये पद इसके पूर्व समाप्त न कर दिए जाएं, से दिनांक 28 फरवरी 2007 तक के लिए सृजित किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

क्रमांक	पद नाम	वेतनमान	पदों की संख्या
1	प्रधान अध्यापक	7,500-250-12,000	01
2	सहायक अध्यापक (एल.टी.)	5,500-175-9,000	10
3	मुख्य सहायक	4,500-125-7,000	01
4	कम्पाउण्डर/फार्मसिस्ट	4,500-125-7,000	01
5	प्रवर सहायक	4,000-100-6,000	01
6	कनिष्ठ सहायक सह कम्प्यूटर ऑपरेटर	3,050-75-4,590	01
7	कनिष्ठ सहायक सह स्टोर कीपर	3,050-75-4,590	01
योग			18 (सोलह)

2. चतुर्थ श्रेणी एवं स्वच्छक की व्यवस्था आउट सोर्सिंग के माध्यम से शासन की स्वीकृति के उपरान्त की जाएगी।

3. उपरोक्त स्वीकृत पदों पर निम्नलिखित आवश्यकतानुसार की जाएगी। उक्त स्वीकृत पद पूर्णतः अस्थाई हैं एवं इन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त किया जा सकता है। स्वीकृत किए जा रहे पद धारकों को शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार मैहगाई भत्ता व अन्य भत्ते भी नियमानुसार देय होंगे।

277-शिक्षा-06-अनुसूचित जातियों के लिए आश्रम पद्धति विद्यालयों का संचालन की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव।

रा.आ.निधि संख्या-68/XXVII(3)/2006, दिनांक 28 जुलाई 2006 :

प्रतिलिपि : महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(एल. एम्. पन्त)
अपर सचिव, वित्त,
उत्तरांचल शासन।

पृष्ठांक संख्या : 1117 (1)/XVII(1)-01/2006-11(12)/2005, तददिनांक :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निजी सचिव-माननीय मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
2. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
3. निजी सचिव-अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
5. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ, उत्तरांचल।
6. जिलाधिकारी, नैनीताल, उत्तरांचल।
7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तरांचल, देहरादून।
8. कोषाधिकारी, हल्द्वानी, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल।
9. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-03, उत्तरांचल शासन।
10. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. आदेश पत्रिका।

आज्ञा से,



(सुबोध)
अपर सचिव।

4. इस सम्बन्ध में मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि उक्तानुसार राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, ब्रैतालघाट, जनपद-नैनीताल, उत्तरांचल के संचालन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में अधोवर्गित विवरणानुसार कुल रुपये 47,74,000/- (रुपये सैतालीस लाख चौहत्तर हजार मात्र) की धनराशि पर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान करते हुए निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

मानक मद	धनराशि (रुपये हजार में)
01-वेतन	
03-महागाई भत्ता	1093
04-यात्रा व्यय	230
06-अन्य भत्ते	20
08-कार्यालय व्यय	97
09-विद्युत दंड	20
10-जलकर/जलप्रभार	25
11-लेखन सामग्री/फार्मों की छपाई	2
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	10
20-मशीनें और सज्जा/उपकरण और सयंत्र	140
31-सामग्री और सम्पुर्ति	430
33-अन्य व्यय	1532
41-भोजन व्यय	50
48-महागाई वेतन	578
योग	547
	4774

(रुपये सैतालीस लाख चौहत्तर हजार मात्र)

- (1) आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
- (2) उक्त आबंटित धनराशि किसी ऐसे मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन या अन्य राक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
- (3) उक्त धनराशि का व्यय मितव्ययता को दृष्टिगत रखते हुए नियमानुसार अनुमन्यता के आधार पर किया जाएगा तथा स्वीकृत धनराशि का व्यय नई मदों में कदापि नहीं किया जाएगा। व्यय उन्हीं मदों में किया जाएगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है।
- (4) अप्रयुक्त धनराशि बजट मैनुअल के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- (5) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-30 के लेखाशीर्षक-2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण-01-अनुसूचित जातियों का कल्याण-